THE INSTITUTE OF
Company Secretaries of India
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE
Statutory body under an Act of Parliament
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)

A PANIPAT CHAPTER INITIATIVE

GO CREATIVE

About the Initiative

With the inspiration of Gurudev Shri Shri Ravi Shankar Ji and ICSI CCGRT, Panipat Chapter had decided to do some activity to relax the mind of stakeholders in the current scenario of COVID-19. Thus, Chairman of Panipat Chapter, CS Sumit Grover came with the idea of Go Creative.

Go Creative is a initiative, in which Chapter had invited the members and students to share there any creative ideas or expression such as:-

- Poetry, Jingle, Shayraies etc
- Painting or Cartoons drawing etc.

With so much love and support from members and students for the initiative, Chapter has received so many creative ideas or expressions.

Thus, Chapter decided to launch an Album for all the ideas or expression. Also, the best ideas or expressions will be published in the Next Quarterly Newsletter of Panipat Chapter.

INSIDE THE ALBUM

S.No.	Inside	Page No.
1.	Chairman's Message	4
2.	Drawings	5-9
3.	Poems and Quotes	10-18
4.	Other Creative Ideas	19-20

MESSAGE FROM CHAIRMAN

Dear Professional Companions,

"**Start where you are. Use what you have. Do what you can.**"

I truly believe , if anyone is passionate about something ,they don't wait for the time and place. Only those who have accepted their failure use excuses to give themselves relief. But remember, the more you fail the more you gain. But it does not mean you should not try to win, use all possible efforts to make it possible.

Nothing is impossible. Only your efforts can make everything possible.

Best Regards,

CS Sumit Grover
Chairman
Panipat Chapter of NIRC of ICSI

DRAWINGS

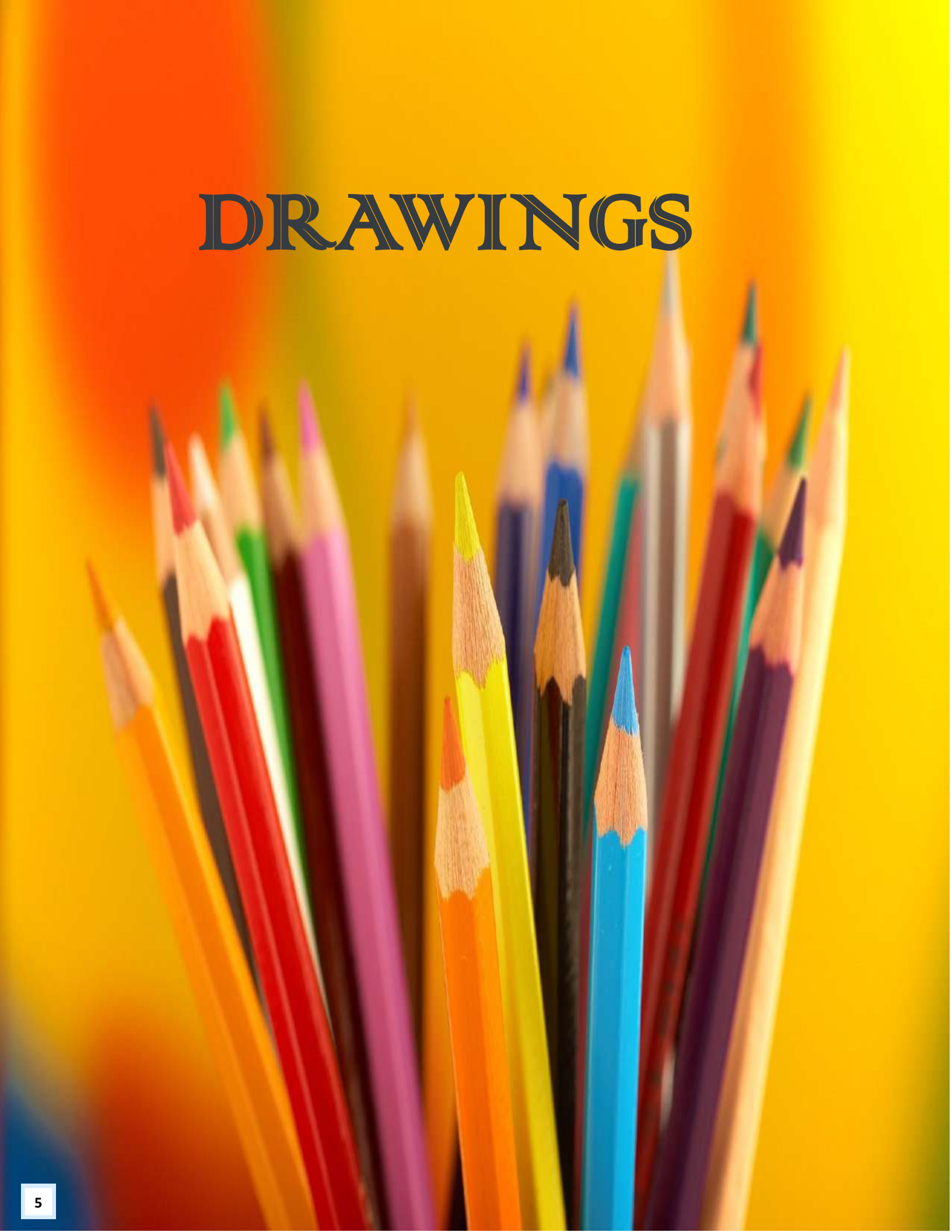

CS Poonam Hasija

Membership No. A34664

CS Raman Sharma

Membership No. A28413

CS Ashok Bhardwaj

Membership No. A61092

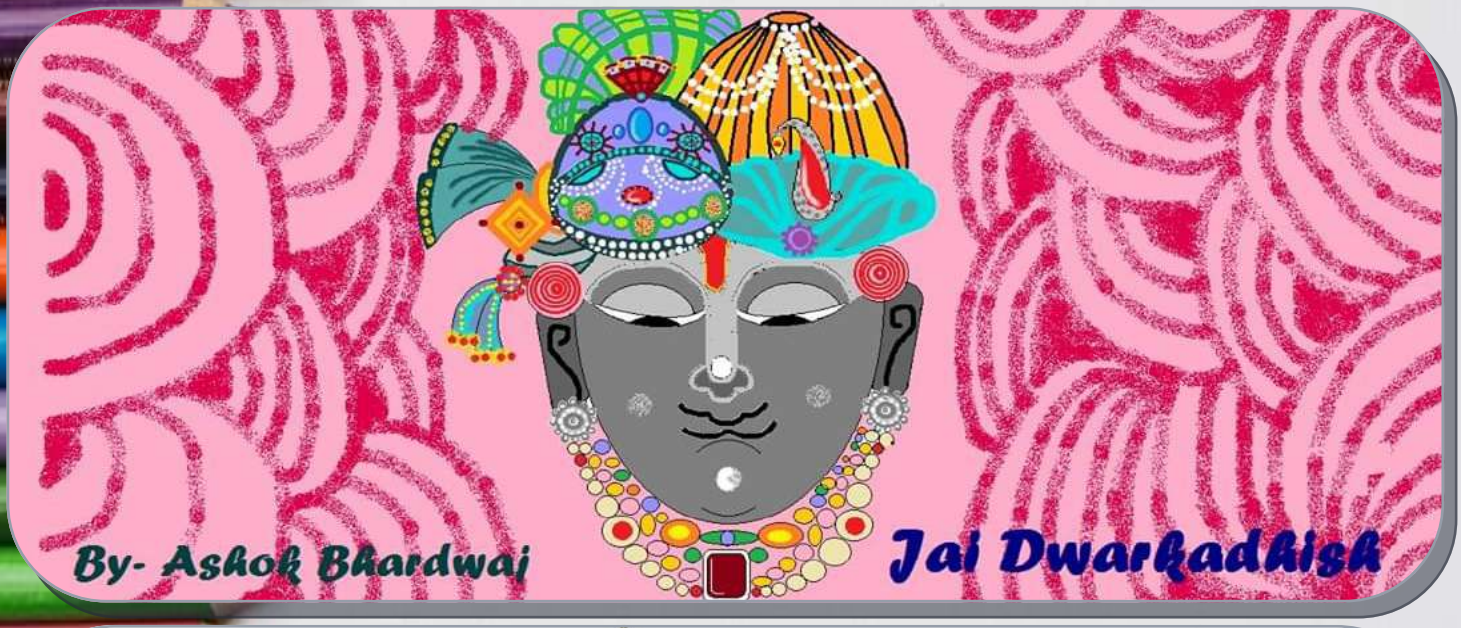

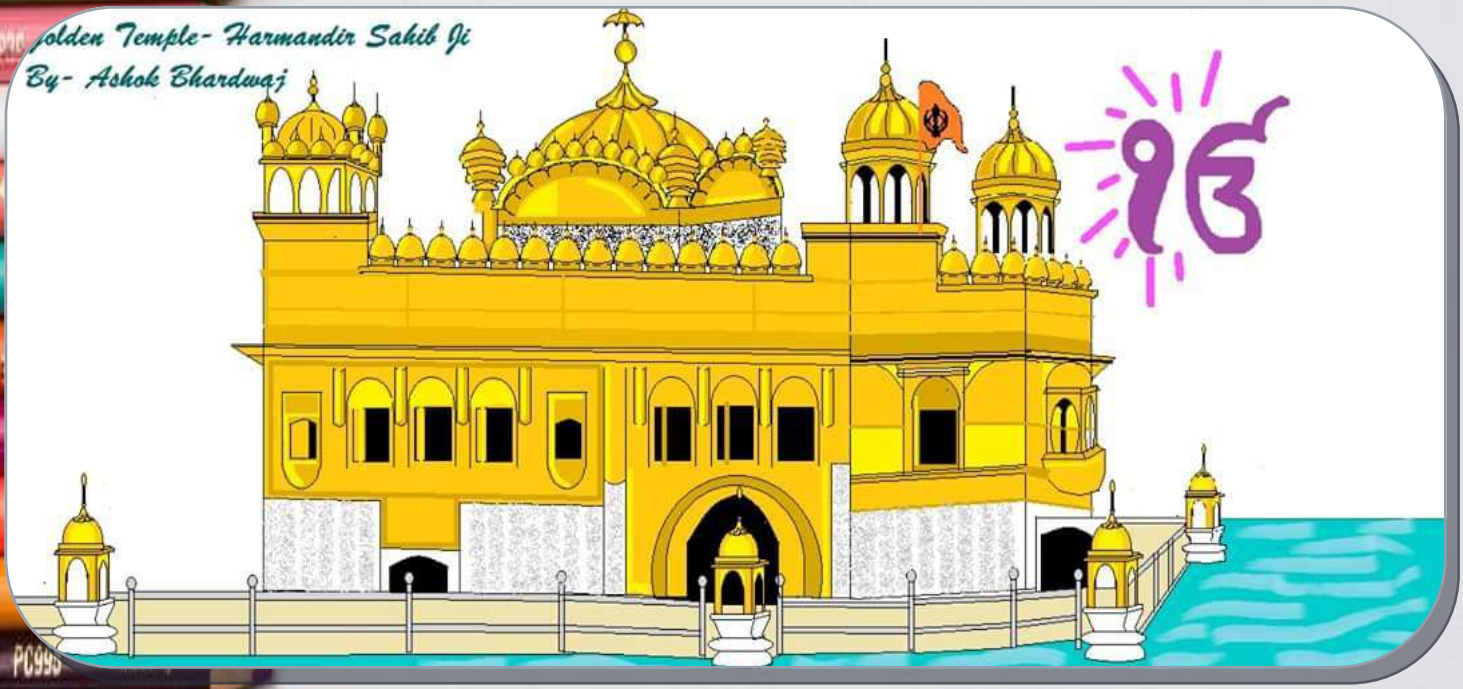

CS Deepika Miglani

Membership No.

A44757

Poems and Quotes

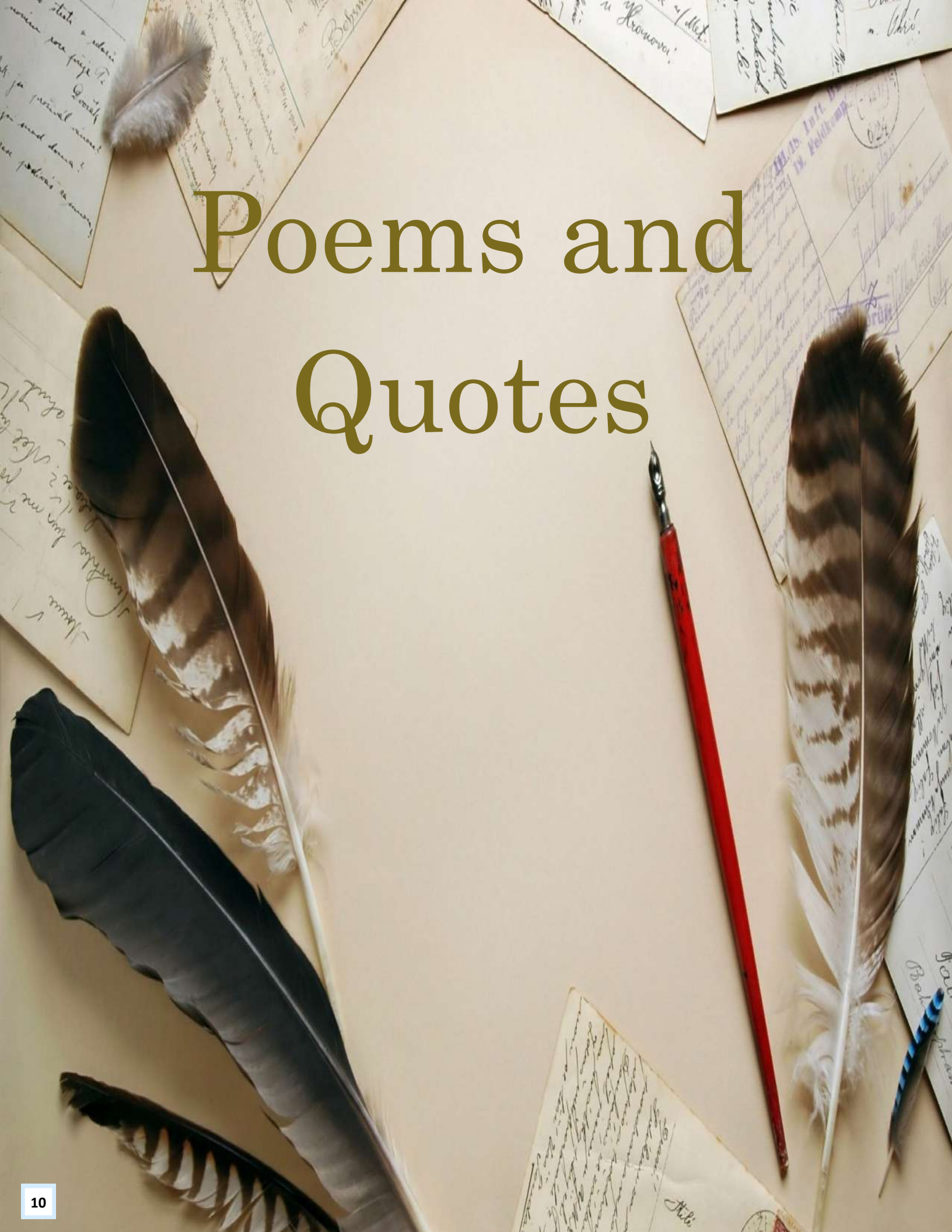

CS Arju Tyagi
Membership No. A54795

विडम्बना

हमने बनाया ये घूंघट हमने बनाई ये पगड़ी!
क्यों उसके हिस्से में आंसू और उसके हिस्से में रबड़ी?
मै सोचती हू आखिर ये बात कहां बिगड़ी

रास्ता दिया ना !!!पर साथ चलने का सेहरा;
उसकी आंखो पे पर्दा और सामने अंधेरा;
तू मुस्कुरा के चलना पर ढका हो चेहरा!
तू होसलो से बढ़ना पर तेरी चाल पे है पहरा;
वो रोकते है पाव पर साथ जमाना सारा!
मै सोचती हूं आखिर ये रिश्ता कोन सा गहरा ?

ये रीत थी बनाई पर उम्मीदें क्यों बंधाई ?
हम साथ है तेरे ये समाज ने क्यों झूठी आस दिलाई?
वो आज तेरे सामने उम्मीद बन खड़ी है !
मुश्किलों को पार कर तेरे सिर पर खड़ी है
मै सोचती हू आखिर ये नौबत ही क्यों आई
हमने बनाया ये घूंघट हमने बनाई ये पगड़ी!
क्यों उसके हिस्से में आंसू और उसके हिस्से में रबड़ी?

गरीबी (एक खतरनाक बीमारी)

सच में नहीं पता या अनजान हू मै?
इन हालातो से बहुत परेशान हूं मै!

कहते है सब है इसकी चपेट में
फिर क्यूं मर रहा है वो भूख से, हैरान हू मै

ना है पैसा उपर से कीमत वबंडर जैसा
फिर सन्नाटा पूछे अरे वरदान हू मै?

अगर सब एक है वो क्यूं ना डरता?
मज़बूरी ना होती तो वो घर से क्यूं निकलता?
पेट की आग या मन कि विचलता ?
मरू इस बीमारी से या भूख से मरू मै
कुछ ही दिनों का मेहमान हूं मै!!
सोचता है वो गरीब क्या फिर भी नादान हू मै ?

बहुत दानी हू मै ,बहुत ज्ञानी हू मै !
मै मेरे भारत की पहचान हूं मै!
जमाखोरी के रुख से मेरे सामने वो मर रहे थे भूख से
क्या फिर भी इंसान हू मै ????
इन हालातो से बहुत परेशान हूं मै!
इन हालातो से बहुत परेशान हूं मै!

CS Aseem Juneja

Membership No. A56822

लछिमन सा मूर्छित पड़ा, देखो ये संसार।
ले आओ संजीवनी, प्रभु करो उद्धार।।

CS Ashish Garg

Membership No. A60247

DOWRY SYSTEM

DOWRY SYSTEM [दहेज-प्रथा]

लानत है इस दहेज को, हिंदू समाज पर ।
जरा गौर करो तुम, इस रिती-रिवाज पर ॥

मैं तुमको सुनाता हूँ, एक सच्ची कहानी ।
लखनऊ में थी, एक बस्ती पुरानी ॥

लड़के और लड़की का पिता मजदूर था ।
बच्चो को छोड़ चल बसा, वो मजदूर था ॥

अब बहन रहती थी, भाई के पास ।
हरदम उसका चेहरा, रहता था उदास ॥

भाई ने सोचा बहन का रिश्ता मैं जोड़ दूँ ।
बिना दहेज के एक नया मोड़ दूँ ॥

भाई ने कर दी बहन की सगाई ।
और कहने लगा कि तू हुई पराई ॥

घर की गरीबी तुझसे छिपाई नहीं जाती ।
यहाँ रोटी के साथ सब्जी बनाई नहीं जाती ॥

देने को तो मेरे पास कुछ भी नहीं ।
सोने की अंगूठी और पाजेब भी नहीं ॥

खैर जो कुछ भी है मेरे पास, वो मैं लूटा दूँगा ।
अरमानों से तेरा दहेज, मैं सजा दूँगा ॥

वो दिन आ गया, वो रात आ गयी, जब दुल्हन के
घर बारात आ गयी ।
दूल्हे के बाप ने जब मांगा दहेज, बहन-और भाई पर
तो मौत छा गई ॥

दूल्हे ने बाप को बहुत समझाया ।
मरने पर साथ ना जायेगी तेरी ये माया ॥

आखिरकार बाप ने स्वीकार किया और कहा अंधेर हो गया ।
भाई तो वहीं पर मरकर ढेर हो गया ॥

दुल्हन ने गाड़ी के नीचे सिर झुका दिया ।
दुनिया में पैसे वालो को नीचा दिखा दिया ॥

बस मेरा तुम सबसे यही पैगाम है ।
कि दुनिया में गरीबों का जीना हराम है
— जीना हराम है ॥

Ye sham dukho ki jayegi,
Kal ek nayi subah aayegi.
Is aandheri raat k bad hi,
Zindgi ek naya sawera layegi.
Kyu baithu main udas,
Jab udasi mujhe gwara nahi.
Koshish meri haari hai,
Main abhi haari nahi.

Sab sahugi par hasugi,
Zindgi k chakarviyuh me na fasugi.
Jeet lugi ya lad kr marugi,
Haar kr yu na hatugi.
Haan giri hu fir uthugi,
Uth kr fir se ladugi.
Zindgi k in imtihano se,
Ab to sahab main na darugi.
Jheel si behti dhara hu,
Koi ruka hua pani nhi.
Koshish meri haari hai,
Main abhi haari nhi.

Priyanka Agarwal

Registration No.

240156385/09/2013

Naina Gupta

Registration No.

240643587/02/2018

PANDEMIC

Even the lustrous streets appears like the dark gloomy roads
The nights and the day are at the same scale
Oh no
Don't try to stand nearby me
One wants to say to other human being
It is like the bustle of day trade
Turns into the peaceful sleepy night
Day temporarily ends and
Moon temporarily sets

Everyone is covering their mouth with masks ,
Hands with gloves
Looks like the earth turns into quietus hallucinate

The body shivers from the contact of other being
Sweat from the every last pore of skin
And heart is pulsating
What IF I would one of them

We can't embosom the last Glimpse of loss
We can only touch them with our sobbed eyes

What form of death is this
There is no burial cemetery
Neither last grave

No human wants to send in queue
Even for his last breath
Not every dead body deserves a cemetery
Even there is a long Queue to heaven.

The mother nature try to set her lap
As a whitish peaceful grave
To hold the carcass bodies of their children
And eradicate into the bloody paradise

~Mourn for souls who lost their life due to corona-virus

Aakarshit Jai

Registration No. 240415421/07/2015

प्यारी अम्मा।

खंड १

अम्मा, मुझे आने तो देंगी इस दुनिया में?
या दफन कर देगी अपने अंदर ही मेरे टुकड़े करकर।

अम्मा खुद को ना सता तू
तेरी से ही हूं ना मै,

जब तु रोती होती है, शिसकिया मेरी भी आती है,
और जब तू खुश होती है, तेरे पेट में पाव मै भी मारती हूं,
तुझे महसूस तो होता है ना अम्मा?

तेरे हर फिक्र को महसूस करती हूं मै,
बाबू से कहना मुझे जीने दे,
मेरी व्याह की चिंता भी ना करे,
मै आजीवन सेवा करूंगी उनकी,
पुरानी किताबों से ही पढ़कर,
अफ़सर बिटिया बनूंगी उनकी।

अम्मा मुझे आने तो देगी ना इस दुनिया में ?

मेरे खाने की भी फिक्र ना करना तू,
तेरा छोड़ा जूठा भी कहा लूंगी मै,
बापू जब थक घर आए तो,
उनके पाव दबा दूंगी मै,
कभी जब तू बीमार पड़े तो
एक पाव पे करूंगी सेवा तेरी,
तेरी रसोई भी संभाल लूंगी मै,

अम्मा मुझे आने तो देगी ना इस दुनिया में ?

खंड २

प्यारी अम्मा,

इस दुनिया में लाने के लिए शुक्रिया,
बापू और दादी की चेहरे की सिकन देखी मैंने।
पर तू तो खुश है ना अम्मा?

अच्छा एक सवाल पूछ अम्मा?
क्यू निर्भया और आसिफा दीदी रोक रही थी मुझे इस दुनिया में आने से?
तुझे पता है इस दुनिया तो वो जालिम बता रही थी,
क्या हुआ था उनके साथ अम्मा?
बोल ना अम्मा?

Amrit Aggarwal

Registration Number- 240760432/05/2019

फेसबुक सा फेस है तेरा, गूगल सी हैं आँखें

एंटर करके सर्च करूँ तो बस मुझको ही ताकें

रेडिफ जैसे लाल गाल तेरे हॉटमेल से होंठ

बलखा के चलती है जब तू लगे जिगर पे चोट

सुराही दार गर्दन तेरी लगती ज्यों जी-मेल

अपने दिल के इंटरनेट पर पढ़ मेरा ई-मेल

मैंने अपने प्यार का फारम कर दिया है अपलोड

लव का माउस क्लिक कर जानम कर इसे डाउनलोड

हुआ मैं तेरे प्यार में जोगी, तू बन जा मेरी जोगिन

अपने दिल की वेबसाईट पर कर ले मुझको लोगिन

तेरे दिल की हार्डडिस्क में और कोई न आये

करे कोई कोशिश भी तो पासवर्ड इनवैलिड बतलाये

गली मोहल्ले के वायरस जो तुझ पर डोरे डालें

एन्टी वायरस सा मैं बनकर नाकाम कर दूँ सब चालें

अपने मन की मेमोरी में सेव तुझे रखूँगा

तेरी यादों की पैन ड्राइव को दिल के पास रखूँगा

तेरे रूप के मॉनिटर को बुझने कभी न दूँगा

बनके तेरा यू पी एस मैं निर्बाधित पावर दूँगा

भेज रहा हूँ तुम्हें निमंत्रण फेसबुक पर आने का

तोतों को मिलता है जहाँ मौका चोंच लड़ाने का

फेसबुक की ऑनलाईन पर बत्ती हरी जलाएंगे

फेसबुक जो हुआ फेल तो याहू पर पींग बढ़ायेंगे

एक-दूजे के दिल का डाटा आपस में शेयर करायेंगे

फिर हम दोनों दूर के पंछी एक डाल के हो जायेंगे

की-बोर्ड और उँगलियों जैसा होगा हमारा प्यार

बिन तेरे मैं बिना मेरे तू होगी बस बेकार

फिर हम आजाद पंछी शादी के सी पी यू में बन्ध जायेंगे

इस दुनिया से दूर डिजिटल की धरती पे घर बनाएँगे

फिर हम दोनों प्यासे-प्रेमी नजदीक से नजदीकतर आते जायेंगे

जुड़े हुए थे अब तक सॉफ्टवेयर से अब हार्डवेयर से जुड़ जायेंगे

तेरे तन के मदरबोर्ड पर जब हम दोनों के बिट टकराएँगे

बिट् से बाइट्स, फिर मेगा बाइट्स फिर गीगा बाइट्स बन जायेंगे

ऐसी आधुनिक तकनीकयुक्त बच्चे जब इस धरती पर आयेंगे

सच कहता हूँ आते ही इस दुनिया में धूम मचाएंगे

Jyoti Mittal

Registration No.

250524102/02/2017

"CS KAR RHI HU YEH KEHNA SHAAN H MERI ,

ICSI SE PEHCHAAN HAI MERI "

जिंदगी का खुमार हूँ ,

ICSI का जुनून ले सर सवार हूँ।

कैसे रोकू मैं अपने कदमों को .

अब तो मैं राहों पर चल पडी हूँ।

हौसलों वाली साँसों से चलना हैं ,

अनलपथ के रथ पे

आज मैं खडी हूँ।

रोके से ना रुके,

दुनिया से बिन डरे,

सच्चाई में आज भी अलताफ हूँ।

जिस भँवर में फसीं है मेरी नाव ,

कम ना होने दिया मैने खुद का भाव।

लक्ष्य भी है, आस भी है,

होंगे हम कामयाब ये अहसास भी है।

फिर भी आपकी बातों की मै भी अनुशरण हूँ,

ना तीर की बौंछार से , ना तलवार की धार से ,

आज मैं ICSI की धरती पे सवार हूँ।।

Sincere Regards:-,

JYOTI MITTAL

Created with Mi Notes

Other Creative Ideas

Aditi Jain

Registration No.

240642012/02/2018

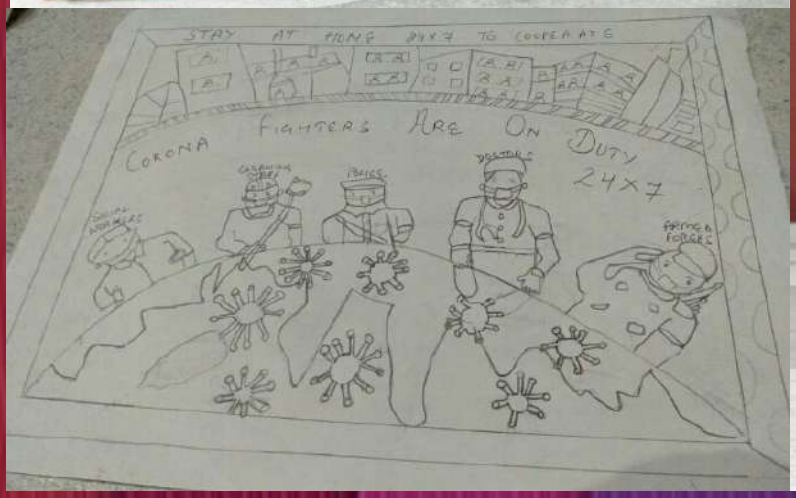

Creativity is intelligence having FUN

Thank You

Panipat Chapter is very Thankful to all the members and students for sharing their valuable ideas in the Initiative of Panipat Chapter.

Stay Safe! Stay Atmanirbar!

With Best Regards

PANIPAT CHAPTER OF NIRC OF ICSI

CS Sumit Grover	**CS Prabhjot Kaur**	**CS Devesh Uppal**	**CS Abhishek Sharma**
Chairman	**Vice-Chairperson**	**Secretary**	**Treasurer**

CS Sachin Saluja	**CS Raman Sharma**	**CS Devender Jaglan**
Member	**Member**	**Member**